वैदिक उपासना पीठद्वारा प्रकाशित

सोमवार, पौष शुक्ल पक्ष,पंचमी, कलियुग वर्ष ५१२२ (१८ जनवरी, २०२१)

# वैदिक उपासना

राष्ट्र एवं धर्मके पुनरूत्थान हेतु समर्पित ऑनलाईन दैनिक वृत्त पत्र

धर्माचरण हेतु कष्ट उठाना, राष्ट्र हेतु समय देना एवं साधना हेतु त्याग करना, यह सनातन उपासना है।

e-mail : upasanawsp@gmail.com, website : www.vedicupasanapeeth.org.

## कलकापंचांग

जयतु जयतु हिन्दुराष्ट्रं

१९ जनवरी २०२१ का वैदिक पंचांग

कलियुग वर्ष – ५१२२ / विक्रम संवत – २०७७ / शकवर्ष - १९४२.....कलके पंचांगके सम्बन्धमें और जानकारी हेतु इस लिंकपर जाएं..... https://vedicupasanapeeth.org/hn/kal-ka-panchang-19012021

## देव स्तुति

**मालाकमंडलुरध करपद्मयुग्मे,**
**मध्यस्थ पाणियुगुले डमरूत्रिशूले।**
**यस्यस्त उर्ध्वकरयो शुभशंखचक्रे**
**वंदेतमत्रिवरदं भुजषटकयुक्तम॥**

**अर्थ :**मैं दत्तात्रेयके उस स्वरूपको प्रणाम करता हूं जिनके छह हाथ हैं, नीचेवाले दो हाथोंमें माला और कमण्डलु है, मध्यम दो हाथोंमें डमरू और त्रिशूल हैं तथा ऊपरके दो हाथोंमें शंख और चक्र हैं।

## शास्त्रवचन

**सत्यं सत्यं पुनः सत्यं भाषितं मम सुव्रत ।**
**नामोच्चारणमात्रेण महापापात्प्रमुच्यते ॥**

**अर्थ :** पद्मपुराणमें वर्णित नाम महिमा : ब्रह्माजी कहते हैं: उत्तम व्रतका पालन करनेवाले नारद ! मेरा कथन सत्य है, सत्य है, सत्य है। भगवानके नामोंका उच्चारण करने मात्रसे मनुष्य बडे-बडे पापोसे मुक्त हो जाता है।

**********

**राम रामेति रामेति रामेति च पुनर्जपन्।**
**स चाण्डालोऽपि पूतात्मा जायते नात्र संशयः ॥**

**अर्थ :**राम-राम-राम' इस प्रकार बारम्बार जप करनेवाला मनुष्य यदि चाण्डाल भी हो, तो भी वह पवित्रात्मा हो जाता है, इसमें तनिक भी सन्देह नहीं है।

## धर्मधारा

### १. हिन्दू राष्ट्र आवश्यक क्यों ? (भाग- ९)

यदि भारत स्वतन्त्रता पश्चात जैसे पाकिस्तान मुसलमानी जनसंख्याके आधारपर इस्लामिक राष्ट्र घोषित हुआ, वैसे ही हिन्दू बहुल भारत भी हिन्दू राष्ट्र घोषित होता तो आज मात्र सात दशक पश्चात गणतन्त्र दिवसपर भारतके अनेक राष्ट्रद्रोही धर्मान्ध हरा 'झण्डा' लहरानेका दुस्साहस नहीं करते ! इस स्थितिको परिवर्तित करने हेतु हिन्दू राष्ट्रकी स्थापना करना अति आवश्यक हो गया है !

## २. जन्मब्राह्मणोंको पितृदोषके कारण

**पितृयज्ञं तु निर्वर्त्य विप्रश्चन्द्रक्षयेऽग्निमान्।**
**पिण्डान्वाहार्यकं श्राद्धं कुर्यान्मासानुमासिकं॥**

**– मनुस्मृति (२:१२२)**

अमावस्याकी तिथिको पितृ श्राद्धकर प्रति माह पिण्डान्वाहार्यकं श्राद्ध करना एक गृहस्थ ब्राह्मणका कर्तव्य है।

आज अनेक जन्मब्राह्मण शास्त्रोक्त धर्माचरण नहीं करते; परिणामस्वरूप उनके घरमें तीव्र स्तरका पितृदोष पाया गया है । मनुस्मृतिके इस श्लोकके आधारपर सभी पुरुष, जो जन्मब्राह्मण हैं, वे चिन्तन करें कि क्या सचमें वे वर्णधर्म अनुसार धर्मपालन करते हैं ?

**********

## ३. उत्तम सन्तति हेतु गर्भाधान संस्कारका महत्त्व(भाग - ४)

श्रेष्ठ सन्तानकी उत्पत्तिके लिए हमारे मनीषियोंने अपने तपोबलसे प्राप्त ज्ञानद्वारा कुछ धार्मिक कर्म स्थापित किए हैं, जिन्हें हिन्दू धर्मग्रन्थोंमें देखा भी जा सकता है । इन्हीं नियमोंका पालन करते हुए विधिनुसार सन्तानोत्पत्तिके लिए आवश्यक कर्म करना ही गर्भाधान संस्कार कहलाता है। जैसे ही पुरुष व स्त्रीका समागम सफल होता है, जीवकी निष्पत्ति होती है व स्त्रीके गर्भमें जीव अपना स्थान ग्रहण कर लेता है। गर्भाधान संस्कारके माध्यमसे जीवमें निहित उसके पूर्वजन्मके विकारोंको दूरकर उसमें अच्छे गुणोंकी उन्नति करते हुए, उसका सूक्ष्म जगतकी अनिष्ट शक्तियोंसे रक्षण किया जाता है। कुल मिलाकर गर्भाधान संस्कार बीज व गर्भ सम्बन्धी मलिनताको दूर करनेके लिए किया जाता है।

### गर्भाधान संस्कारकी विधि

सर्वप्रथम तो सन्ततिकी इच्छा रखनेवाले माता -

पिताको गर्भाधानसे पहले तन व मनसे स्वच्छ होना चाहिए। तन और मनकी स्वच्छता उनके आहार, आचार, व्यवहार आदिपर निर्भर करती है। इसके लिए माता-पिताको उचित समयपर ही समागम करना चाहिए। दोनों मानसिक रूपसे इस कर्मके लिए सिद्ध होने चाहिए। यदि दोनोंमेंसे यदि एक इसके लिए सिद्ध न हो तो ऐसी स्थितिमें गर्भाधानके लिए प्रयास नहीं करना चाहिए। शास्त्रोंमें लिखा भी है –

**आहाराचारचेष्टाभिर्यादृशोभिः समन्वितौ।**
**स्त्रीपुंसौ समुपेयातां तयोः पुतोडपि तादृशः॥**

अर्थात स्त्री व पुरुषका जैसा आहार और व्यवहार होता है, जैसी कामना रखते हुए वे समागम करते हैं वैसे गुण सन्तानके स्वभावमें भी दिखाई देते हैं।

**गर्भाधान कब करें ?**

सन्तान प्राप्तिके लिए ऋतुकालमें ही स्त्री व पुरुषका समागम होना चाहिए। पुरुष परस्त्रीका त्याग रखे ! स्वाभाविक रूपसे स्त्रियोंमें ऋतुकाल रजो-दर्शनके सोलह दिनोंतक माना जाता है। इनमें आरम्भके चार-पांच दिनोंतक तो पुरुष व स्त्रीको कभी भी समागम नहीं करना चाहिए। इस अवस्थामें समागम करनेसे गम्भीर रोगोंका जन्म हो सकता है। धार्मिक रूपसे ग्यारहवें और तेरहवें दिन भी गर्भाधान नहीं करना चाहिए। अन्य दिनोंमें आप गर्भाधान संस्कार कर सकते हैं। अष्टमी, चतुर्दशी, पूर्णमासी, अमावस्या आदि पर्व रात्रियोंमें स्त्री समागमसे बचने हेतु बताया गया है। रजो-दर्शनसे पांचवी, छठी, सातवीं, आठवीं, नौंवी, दसवीं, बारहवीं, पंद्रहवीं और सोलहवीं रात्रिमें गर्भाधान संस्कार किया जा सकता है। मान्यता है कि ऋतुस्नानके पश्चात स्त्रीको अपने आदर्श रूपका दर्शन करना चाहिए अर्थात स्त्री जिस महापुरुष जैसी सन्तान चाहती है,

उसे ऋतुस्नानके पश्चात उस महापुरुषके चित्र आदिका दर्शनकर उनके विषयमें चिन्तन करना चाहिए । गर्भाधानके लिये रात्रिका तीसरा प्रहर श्रेष्ठ माना जाता है ।

**गर्भाधान कब न करें?**

मलिन अवस्थामें, मासिक धर्मके समय, प्रात:काल, सन्ध्याके समय, मनमें यदि चिन्ता, भय, क्रोध आदि मनोविकार हों तो उस अवस्थामें गर्भाधान संस्कार नहीं करना चाहिए । दिनके समय गर्भाधान संस्कार वर्जित माना जाता है । मान्यता है कि इससे दुराचारी सन्तानका जन्म होता है । श्राद्धके दिनोंमें, धार्मिक पर्वोंमें व प्रदोष कालमें भी गर्भाधान शास्त्रसम्मत नहीं माना जाता ।

**– (पू.) तनुजाठाकुर, सम्पादक**

## प्रेरक प्रसङ्ग

**विक्षिप्त कौन है ?**

एक विद्वान था, जिसे अपनी विद्वतापर अहङ्कार हो गया था । एक दिवस वह सागरके तटपर टहलने गया और उसने देखा एक विक्षिप्त व्यक्ति बालूमें एक गड्ढा खोदकर, दौडकर जाता है, घडेमें जल भरता है, आकर गड्ढेमें डालता है, पुन: भागता है और वही प्रक्रिया दोहराता है । वह विद्वान उसे देखता रहा, उसकी जिज्ञासा बढी । उसे अपने आपको रोक पाना सम्भव नहीं हुआ । वह सज्जन व्यक्ति था, किसीके कार्यमें बाधा नहीं डालना चाहता था, किसीसे पूछना भी तो उचित नहीं; परन्तु उस व्यक्तिकी भागदौड बहुत बढ गई, उसमें जिज्ञासा बढ गई कि यह प्रकरण क्या है,यह कर क्या रहा है ? उसने पूछा, “ये क्या कर रहे हो ?” विक्षिप्तने कहा, “क्या कर रहा हूं; सागरको रिक्त कर रहा हूं ! इस गड्ढेमें सागर न भर

दिया तो मेरा नाम नहीं !" विद्वानने कहा, "मैं तो कोई हस्तक्षेप करनेवाला नहीं हूं; परन्तु यह कृति विक्षिप्तता दर्शा रही है कि इस छोटेसे घडेसे तुम इतना विराट सागर कैसे रिक्त कर लोगे ? जन्म-जन्म लग जाएंगे, तो भी न होगा। शताब्दियां बीत जाएंगी, तो भी न होगा कि इस छोटेसे गड्ढेमें सागर भर जाएगा ?

वह व्यक्ति खिलखिलाकर हंसने लगा और उसने कहा, "तुम क्या सोचते हो ? तुम कुछ अन्य कर रहे हो या तुम कुछ भिन्न कर रहे हो ? तुम इस छोटीसी खोपडीमें परमात्माको समाना चाहते हो ?" विद्वान बडा विचारक था। उसने पुनः कहा, "तुम इस छोटीसी खोपडीमें यदि परमात्माको समा लोगे तो मेरा यह गड्ढा तुम्हारी खोपडीसे बडा है और सागर परमात्मासे छोटा है; विक्षिप्त कौन है ?" उस दिवस विद्वानको पता चला कि विक्षिप्त मैं ही हूं !उस विक्षिप्तने मुझपर बडी कृपा की। वह कौन व्यक्ति रहा होगा ? वह व्यक्ति अवश्य ही एक उच्च कोटिका सन्त रहा होगा, समाधिस्थ रहा होगा, वह केवल विद्वानको जगानेके लिए, उसको चेतानेके लिए और उसका अहङ्कार भङ्ग करने ही आया होगा।

## घरका वैद्य

**जायफल (भाग-२)**

**जायफलके औषधिय गुण :**

**१. हिचकी :**

* तुलसीके रसमें जायफलको घिसकर, एक चम्मचकी मात्रामें ३ बार खाएं। इससे हिचकी बन्द हो जाती है।

* चावलके धुले जलमें जायफलको घिसकर पीनेसे हिचकी व वमन बन्द हो जाती है।

**२. सिर पीडाके लिए :**

* कच्चे दूधमें जायफल घिसकर सिरमें लगाएं । इससे बहुत लाभ मिलेगा ।

* सिरमें पीडा होनेपर जायफलको पानीमें घिसकर माथेपर लेप लगानेसे सिरकी पीडा ठीक हो जाती है ।

**३. मुखके छाले :**

* जायफलके काढेसे ३-४ बार गरारें करें । इससे मुखके छाले नष्ट हो जाते हैं ।

* जायफलके रसमें जल मिलाकर कुल्ले करनेसे छाले ठीक हो जाते हैं ।

**४. बच्चोंके दस्त :**

* जायफलको जलमें घिसकर आधा-आधा चम्मच २ - ३ बार पिलाएं । इससे बच्चोंका 'दस्त" बन्द हो जाता है । इससे ठण्ड लगनेसे बच्चोंको होनेवाले दस्तमें भी लाभ होता है ।

*जायफलमें गुडको मिलाकर, छोटी-छोटी गोलियांबनाकर १,१ गोलीकोबनाकर १,१ गोलीको २,२घण्टेके
पश्चात खानेसे मलावरोध और अपचके कारण होनेवाली 'दस्त' समाप्त होती है ।

*१ ग्राम जायफलके चूर्णको आधे कप जलके साथ दिनमें प्रातः और संध्यामें पीएं ! इससे पेटका फूलना, पेटमें पीडा और पतले 'दस्त' बन्द हो जाते हैं ।

उत्तिष्ठकौन्तेय

**रक्षा विशेषज्ञके तिब्बतपर दिए सुझावसे बौखलाया चीन**

भारतके प्रसिद्ध रक्षा विशेषज्ञ ब्रह्मा चेलानीने तिब्बतपर भारत शासनको सुझाव दिया था । चीन उस सुझावसे

बौखलाया हुआ दिख रहा है, चीन शासनके मुखपत्र ग्लोबल टाइम्समें भारतको कश्मीर और सिक्किमको लेकर धमकी दी गई है। 'ग्लोबल टाइम्स'में चीन विशेषज्ञके सन्दर्भसे ऐसा कहा गया है कि यदि भारतने तिब्बतको लेकर अपनी यथास्थितिमें परिवर्तन किया, तो चीन सिक्किमको भारतका अङ्ग माननेसे मना कर देगा। इसके अतिरिक्त चीन कश्मीरके प्रकरणपर भी अपना कथित तटस्थ व्यवहार बनाए नहीं रखेगा।

'टाइम्स ऑफ इंडिया'में रक्षा प्रकरणके जानकार ब्रह्मा चेलानीका एक लेख प्रकाशित हुआ था। इस लेखके भीतर ब्रह्मा चेलानीने भारतको सुझाव दिया था, जिसके अनुसार अमेरिकाने तिब्बतको लेकर विधान बनाया था। भारतको इस विधानका चीनके विरुद्ध उपयोग करना चाहिए, जिसे भारतने पहले खो दिया था। 'तिब्बत' चीनका संवेदनशील पहलू है, यदि भारत चीनके इस असंवेदनशील व्यवहारका लाभ नहीं लेना चाहता है, तो कमसे कम तिब्बतको लेकर चीनकी नीतियोंका समर्थन करना बन्द कर ही सकता है।

यह सुझाव चीन शासनको क्रोधित करनेके लिए पर्याप्त था। 'ग्लोबल टाइम्स'ने अपने समाचारमें चीनी विशेषज्ञ लांग शिंगचुनके सन्दर्भसे बताया कि चेलानी आरम्भसे ही 'चीन विरोधी' रहे हैं और हमें इस बातपर शङ्का है कि वो अमेरिकाके अघोषित प्रवक्ता हैं।

**भारतकी शासकीय व्यवस्था एवं स्थिति १९६२ वर्षवाली नहीं है कि पडोसी राष्ट्र या अन्य कोई शक्ति हमें अपने प्रभावमें लेकर कुछ भी कह दे या हमे किसी भी प्रकारसे धमका सके। आज हमारी सम्प्रभुतापर किसी प्रकारकी सङ्कटकी परिस्थिति आती है, तो हम उसका**

**सटीक उत्तर देनेकी स्थितिमें हैं; अतः भारतको अपनी कूटनीतिका प्रयोग करते हुए चीनको साम-दाम-दण्ड-भेदसे तोड सके, इस ओर अपने पग बढाने चाहिए । (१७.०१.२०२१)**

**********

**उत्तर प्रदेश पुलिसने सेवानिवृत्त सेना अधिकारीकी पुत्रीका गोरखपुरसे अपहरण व धर्मान्तरणमें पुलिसने कर्नाटकसे जिहादी महबूबको बनाया बन्दी**

उत्तर प्रदेश पुलिसने शुक्रवार, १५ जनवरीको कर्नाटकके विजयपुर जनपदसे एक २१ वर्षीय युवक महबूबको बन्दी बनाया है । उसपर आरोप है कि उसने एक सेवानिवृत्त सेना अधिकारीकी अवयस्क लडकीका अपहरणकर उसका बलपूर्वक धर्मान्तरण करवाया ! महबूबने अपना धर्म छुपाकर लडकीसे मित्रता की थी । कुछ समाचार वाहिनियां लडकीकी आयु १९ वर्ष बता रही हैं । जब ५ जनवरीको पीडिता महाविद्यालयसे घर नहीं लौटी, तो उसके पिताने पुलिसमें परिवाद प्रविष्ट करवाया ।

पुलिसद्वारा पीडिताके भ्रमणभाषसे की गई जांचसे ज्ञात हुआ कि 'ट्रूकॉलर'पर लडकेका नाम महबूब तथा उसके भ्रमणभाषका स्थान कर्नाटक आ रहा है । त्वरित ३ पुलिसवालोंका गुट लडकीको ढूंढने कर्नाटक गया ।

आरोपीके पिताकी सहायतासे पुलिस आरोपीको बन्दी बनानेमें सफल हुई । आरोपीके पिताने बताया कि वह बेटेके इस अपराधसे अनभिज्ञ थे । यदि उनके लडकेने अपराध किया है, तो उसे उचित दण्ड मिलना चाहिए ।

लडकीके पिताने आरोप लगाया कि महबूबने पिछले वर्ष

उनकी बेटीसे अपना धर्म छुपाकर सामाजिक जालस्थानपर मित्रता की थी । उसे चाकरीका लोभ देकर अपनी बातोंमें फंसाया था । आरोपीपर 'धारा ३६३ व ३६६ (अपहरण, बलपूर्वक विवाह हेतु विवश करना)'में परिवाद प्रविष्ट किया गया है । पुलिस आरोपीसे पूछताछ कर रही है ।

**'लव जिहाद'की घटनाएं नित्य हो रही हैं । ऐसे अपराधोंपर उत्तर प्रदेशमें कठोर विधान गठित हुआ है । अपराधीको शीघ्र कठोर दण्ड होगा यही न्यायालय व शासनसे अपेक्षा है । (१७.०१.२०२१)**

**********

**आंध्र प्रदेशमें मन्दिरोंपर आक्रमणको पुलिसने जोडा राजनीतिसे**

आंध्र प्रदेशमें मन्दिरोंमें तोडफोड और प्रतिमाओंको खण्डित करनेके प्रकरणमें राजनीति तीव्र हो गई है । राज्य पुलिसके मुखियाने इसके लिए विपक्षी दलों 'टीडीपी' और भाजपाको उत्तरदायी बताया है ।

'डीजीपी'का कहना है कि इन प्रकरणोंमें अबतक २१ लोगोंका अभिज्ञान (पहचान) किया गया है, जिनमेंसे १७ चन्द्रबाबू नायडूके दल 'टीडीपी'से जुडे हैं और ४ भाजपाके हैं । इनमेंसे १५ को बन्दी बना लिया गया है ।

डीजीपी गौतम सवांगने शुक्रवार, २५ जनवरीको मन्दिरोंमें उत्पात और प्रतिमाओंको हानि पहुंचानेके प्रकरणमें राजनीतिक षड्यन्त्र होनेकी बात कही और 'सोशल मीडिया'पर 'प्रोपेगेंडा' फैलाए जानेका आरोप लगाया ।

**पुलिस जांच दलोंका केन्द्र और राज्य दोनों ही स्तरोंपर दुरुपयोग होता है, जिसके कारण वास्तविक**

**अपराधीको कभी दण्ड नहीं मिल पाता है । उपरोक्त घटनाओंमें जैसा कि अपेक्षित था वही हुआ, अपराधियोंको दण्ड मिले, उससे पहले ही राजनीतिक दल अपने 'वोट बैंक'के अनुसार वक्तव्य देने लगे हैं और आरोप एवं प्रत्यारोप कर रहे हैं । प्रदेशके मुख्यमन्त्री, जो स्वयं ईसाई हैं, अपने उत्तरदायित्वसे बच नहीं सकते । यहां देखनेवाली बात यह कि दूसरी आस्थामें विश्वास करनेवाले लोगोंके किसी भी आस्था स्थल गिरिजाघर या मस्जिदको आजतक कोई हानि नहीं पहुंची है । यदि जगन रेड्डीकी इन घटनाओंको मौन स्वीकृति नहीं है, तो दोषी चाहे सत्ताधारी दलके हों या विरोधी दलोंके, उनके विरुद्ध कडीसे कडी कार्यवाही हो । जब सभी राजनीतिक दल वैसे तो धर्मको राजनीतिसे दूर रखनेकी बात करते है; परन्तु अपने राजनैतिक लाभके लिए धर्मका दुरुपयोग करते हैं । क्या कोई राजनैतिक दल इसका उत्तर देगा ? (१७.०१.२०२१)**

**********

**अमेरिकामें जो बायडेनके समूहमें हिन्दूद्रोही 'CIA' अध्यक्ष और इस्लामिक सङ्गठनकी सदस्या**

अमेरिकाके नवराष्ट्रपति जो बायडेनने कश्मीरी मूलकी कट्टर इस्लामी समीरा फजिलीको 'नेशनल इकोनॉमिक काउंसिल'का 'डिप्टी डायरेक्टर' नियुक्त किया है । सर्व विदित है कि अगस्त २०१९ के दौरान जम्मू कश्मीरसे अनुच्छेद ३७० हटाए जानेके पश्चात 'काउंसिल ऑफ अमेरिकन इस्लामिक रिलेशन'ने समीराका परिचय इस्लामी सङ्गठन 'स्टैण्ड विथ कश्मीर'की सदस्याके रूपमें कराया था ।

समीराने अपने वक्तव्यमें भारतके विरुद्ध यह कहा था,

“कश्मीरकी जनताके समर्थनमें आगे आएं और उनके लिए एकजुटता दिखाएं; क्योंकि भारत और अमेरिकासे लेकर यूरोपतक 'इस्लामोफोबिया'और तानाशाही बढती जा रही है। आप सभी आगे आइए और मानवाधिकार, अन्तरराष्ट्रीय विधानोंका समर्थन करिए।”

यही इस्लामिक सङ्गठन 'SWK' जिहादी आसिया अंद्राबीको ‘सामाजिक राजनीति एक्टिविस्ट’ कहता है, जबकि आतङ्कवादियोंसे उसके सम्बन्ध सर्वविदित है।

जो बायडेनद्वारा 'सीआईए डायरेक्टर' कार्नेजी एंडोमेंटके अध्यक्ष विलियम जे बर्न्सको 'सीआईए'का मुखिया चुना गया है!

हिन्दुओंसे ईर्ष्या करनेवाले इसी विलियम्सने फरवरी २०२०के समय 'द अटलांटिक'के लिए एक लेखमें लिखा था, “बीते वसंतमें शानदार चुनावोंके पश्चात प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदीजीको विगत तीन दशककी सबसे भीषण आर्थिक मन्दीका सामना करना पड रहा है। अर्थव्यवस्थाके लिए एक प्रभावी रणनीतिकी अनुपस्थितिमें उन्होंने कुछ विषयोंपर सबसे अधिक ध्यान दिया है, जिसपर भाजपाकी दृष्टि सदैवसे स्पष्ट थी: हिन्दू बहुसंख्यकवाद ! संवैधानिक सीमाओंको ताकपर रखते हुए पूरी शक्ति अपनी अन्धराष्ट्रभक्तिका प्रदर्शन कर रही है। मोदी शासन एक नूतन विधान 'एनआरसी'के आश्रयपर मुसलमान शरणार्थियोंके साथ भेदभाव करता है और विवादित धार्मिक स्थलोंको लेकरभी विवाद बढा है। आलोचना करनेवाले पत्रकारों और शिक्षाविदोंपर भी दबाव बनाया जा रहा है।"

**ये दोनों नियुक्तियां भारत देशके लिए चिन्ताका**

**विषय है । भारतको इस विषयमें अपना विरोध प्रकट करना चाहिए ।**

**********

**देवी-देवताओंको लात मारनेवाले पादरीको 'एचडीएफसी' बैंकने अपनी सूचीसे हटाया**

धर्मद्रोही पादरी 'प्रवीण चक्रवर्ती'को पुलिसद्वारा बन्दी बनाया गया है । 'एचडीएफसी' बैंकने उसका नाम 'नेबरहुड हीरोज'की सूचीमेंसे हटा दिया है । 'बैंक'ने उसे 'हीरो' बताया था । प्रवीणने देवी-देवताओंको लात मारकर विकृत कर देनेकी धमकियां दीं थीं । ऐसे कथनोंकी उसने 'वीडियो' भी बनाया था और बन्दी बनाए जानेपर उसने 'वीडियो'में अपनी 'आवाज'को स्वीकार किया है । पकडे जानेपर गुप्तचर विभाग उसके लेन-देनवाले खातोंकी जांच पडतालमें जुट गया है । 'एचडीएफसी' बैंककी सूचीमें उन लोगोंका नाम रहता है, जो लोगोंकी सहायता करते हैं; किन्तु इस देशद्रोही पादरीने धर्मस्थलोंको तोडने और हिन्दूओंको ईसाई बनानेका दुष्कृत्य किया है ।

'एनजीओ'ने गृहमन्त्रालय और 'विदेश विनिमय'के पास इसका परिवाद किया था । इस परिवादमें उसकी संस्थाकी मान्यता निरस्त करने और उसके सभी खातोंको अवरुद्ध करनेकी मांग की थी ।

पादरीके विरुद्ध विभिन्न प्रकरणोंमें प्राथमिकताएं प्रविष्ट हैं । एक 'वीडियो'में तेलुगु भाषामें उसने कहा था कि वह पत्थरके भगवानको लात मारेगा और नीम, तुलसी तथा पीपलके पेडोंको भी लात मारेगा । उसने कहा कि लोगोंको बाइबल पढाकर ईसाइयोंके गांव बसा देगा । इससे पूर्व भी दैविक प्रतिमाओंको लात मारनेपर उसने प्रसन्नता दर्शाई थी ।

प्रवीण 'सीलोन ब्लाइंड सेंटर'का अध्यक्ष भी है । अमेरिकाकी 'लाइफ प्वाइंट चर्च' संस्थाने इसे अपना भाग बताया है। इस संस्थाने २०१४ में तीन लाख और २०१५ में छह लाख लोगोंको ईसाई बनाया था तथा बाल-श्रम करानेवालोंको दण्ड दिए बिना ही छोड दिया था। इसने अब भारतके बहुसङ्ख्यकोंको दास दर्शाया है । संस्थाद्वारा गृहबन्दीका पालन नहीं किए जानेपर ३१८ बच्चोंको कोविद महामारीसे ग्रस्त पाया गया है।

**विरोध होने व बन्दी बनाए जानेके पश्चात बैंकने इसे अपनी सूचीसे हटाया, जबकि इससे पूर्व उसे 'हीरो' बताया था, क्या बैंकको उसका यह कृत्य ज्ञात नहीं था कि वह धर्मपरिवर्तन करता है ? या 'बैंक'ने इसे देखना उचित ही नहीं समझा ? सभी हिन्दू 'एचडीएफसी'से इसका उत्तर मांगे और ऐसे देशद्रोहियोंको आदर्श बनाकर समाजपर थोपनेका प्रयास न करें, ऐसा उन्हें चेतावनी दें। (१६.०१.२०२१)**

**********

**'ग्लास-कैरी बैग'पर 'अली' लिखा होनेसे मुसलमानोंका हंगामा**

कानपुरमें एक 'कैफे' है, जिसका नाम है, 'अली-कैफे' । इसने भोजन 'पैक' करके ले जानेके लिए जो 'कैरी बैग' और 'ग्लास' बनाया, उसपर भी उसने 'अली-कैफे' लिखवाया, जिसके पश्चात मुसलमानोंकी भीडने भोजनालयमें जाकर हंगामा किया । 'सोशल मीडिया'पर इसका 'वीडियो' प्रसारित हो रहा है।

'वीडियो' में देखा जा सकता है कि मुसलमानोंकी भीड

'कैफे'के कर्मियोंपर इस बातको लेकर भडक रही है । मौलानाको कहते हुए सुना जा सकता है, "हम अपने 'बुजुर्गों'की 'शान'में की गई 'गुस्ताखी'को सहन नहीं करेंगे । ये यहांपर रखा क्यों गया है ?१० लाख, १५ लाख, जितने भी रुपयेका है ये, हम तत्काल देंगें, यहींपर । आप लोग इस्लामको लेकर इस प्रकारके कृत्य कर रहे हैं, हम इसे सहन नहीं करेंगे । आप लोग भी मानव हो, आप ही बताओ, लोग इसे खाकर फेकेंगे तो ये पांवके नीचे आएगा या नहीं ? हम 'जात'की बात सहन कर लेंगे; परन्तु हमारे वृद्धोंका कोई अपमान करेगा, हम सहन नहीं करेंगे ।"

मौलाना आगे कहता है, "जब मामूर साहबने, शाह काजी साहबने आपसे कह दिया था तो आपको रखना ही नहीं चाहिए । इसको तत्कालमें 'ठंडा' कराना चाहिए था । एक मिनिटमें 'मोबाइल ग्रुप'में चलने लगता है । किसीने यहांसे 'फोटो' खींचकर इसे 'व्हाट्सएप्प'पर डाल दिया है और वह चल रहा है । आप बताइए ये अनुचित है कि नहीं है ?"

इस मध्य मौलानाके साथ आए एक अन्य व्यक्तिने सारे 'पैकेट'को लेकर साथ जानेकी बीत कही । उसने यह भी कहा कि इसका जितना भी 'बिल' होगा, वो अभीके अभी यहींपर भर देंगे; वो ५० लाख ही क्यों न हो !

**हिन्दुओंमें आए दिन ऐसे अनेक अधर्म होते हैं, वह 'लक्ष्मी' नामसे बम हो या चलचित्र या गुटखा आदि; परन्तु दुःखद है कि हिन्दुओंका धर्माभिमान इतना मृत हो चुका है कि उन्हें अन्तर ही नहीं पडता है, वहीं कुछ ऐसे असुर रूपी जन्म हिन्दू भी हैं, जो ऐसे कुकृत्योंका समर्थन भी करते हैं । हमें लज्जा आनी चाहिए और मुसलमानोंसे इस विषयमें**

**सीखना चाहिए । जिहादी ऐसे प्रकरणमें एकता रखते हैं, तभी तो वे अनुचित होते हुए भी भारी पड जाते हैं और हिन्दू उचित होते हुए भी एकाकी रह जाते हैं । हिन्दुओ, जागो और ऐसे हिन्दू संस्कृतिपर होनेवाले ऐसे आघात रूपी कृत्योंका विरोध करना आरम्भ करें !**

**********

**'अमेजॉन प्राइम'की वेब सीरिज 'ताण्डव'के बहिष्कारकी लोगोंने की मांग**

'अमेजॉन प्राइम'ने कालान्तरमें सैफ अली खानकी राजनीतिक नाटक शृंखला 'ताण्डव'को अपने मंचपर प्रदर्शित किया, जिसे निर्देशित किया है अली अब्बास जफरने । अली अब्बास जफरकी इस शृंखलामें हिन्दू देवी-देवताओंका अपमान किया गया है ।

'वेब सीरीज'को कई समीक्षाओंके साथ 'एंटी-हिंदू सीरीज'के रूपमें दिखानेके साथ, कठोर समीक्षाओंका भी सामना करना पडा है । 'नेटिजन्स'ने कई उदाहरणोंसे यह सिद्ध किया है, जहां वेब शृंखलाने हिन्दू देवी-देवताओंका उपहास करते हुए या हिन्दू समाजके विभिन्न सम्प्रदायोंके मध्य जानबूझकर विभाजनके बीज बोनेका प्रयास करके हिन्दुओंकी भावनाओंको आहत किया है ।

'पॉलिटिकल ड्रामा'के प्रथम कार्यक्रममें जीशान अयूब भगवान शिव बन कुछ नाटक कर रहे हैं । उस दृश्यपटमें जीशान परिसरके छात्रोंकी 'आजादी'की वार्ता कर रहे हैं । वे कह रहे हैं कि इन छात्रोंको देशमें रहकर स्वतन्त्रता चाहिए, देशसे स्वतन्त्रता नहीं चाहिए ।

भारतीय हिन्दू पुलिसकी 'सबटल ब्रांडिंग' , मुसलमान

विरोधीके रूपमें सामने आना और नीची जातियोंके विरुद्ध प्रयोग किए जानेवालीं नस्लभेदी टिप्पणियां 'सोशल मीडिया यूजर्स'को रास नहीं आया और उन्होंने 'सोशल मीडिया'पर इसका विरोध किया और वेब शृंखलाको प्रतिबन्धित करनेकी मांग की। उनमेंसे कईने केन्द्रीय मन्त्री प्रकाश जावडेकरको भी 'टैग' किया और उनसे अनुरोध किया कि वे 'अमेजॉन प्राइम प्लेटफॉर्म'से इसे प्रतिबन्धित करें।

कुछ 'ट्विटर यूजर्स'ने हिन्दुओंकी धार्मिक भावनाओंको आहत करनेके लिए वैधानिक कार्यवाही करनेका भी आह्वान किया। भाजपा प्रवक्ता गौरव गोयलने चेतावनी दी कि यदि लोगोंकी भावनाओंको ठेस पहुंचती है, तो इसके अभिनेताओं और निर्माताओंके विरुद्ध परिवाद प्रविष्ट की जाएगी।

ऐसा प्रतीत होता है कि हिन्दू देवी-देवताओंके बारेमें घृणित सामग्री प्रसारित करनेके लिए भारतमें 'ओवर-द-टॉप' मीडिया सेवा प्रदाताओंके मध्य एक प्रकारका प्रतिस्पर्धा है कि कौन कितना अधिक 'एंटी हिंदू कन्टेंट' निर्माण कर सकता है ? गत वर्ष, 'नेटफ्लिक्स'के तेलुगु चलचित्र 'कृष्णा और उसकी लीला'के पश्चात एक विवाद खडा हो गया था, जिसमें कृष्ण नामका एक पुरुष चरित्र दिखाया गया था, जिसमें कई महिलाओंके साथ यौन सम्बन्ध थे, जिनमेंसे एक राधा नामकी लडकी भी थी।

**हिन्दुओंने 'ऑनलाइन' विरोध किया, प्रकाश जावडेकरजीसे कार्यवाहीकी मांग की और भाजपा प्रवक्ता परीक्षण करेंगे कि भावनाएं आहत हुई हैं तो वे परिवाद करेंगे और इससे उन्हें लगता है कि सैफ अली खान जैसे हिन्दूद्रोही जिहादी नट घुटनोंपर आकर क्षमा मागेंगे, और**

**आगेसे ऐसा नहीं करेंगे ? यह किस प्रकारका उपहास चल रहा है ? हिन्दुओ, विरोध कर रहे हैं, यह अच्छी बात है; परन्तु दाऊदके इन पिट्ठुओंको केवल 'ऑनलाइन' विरोध करके नहीं रोका जा सकता है । अब सडकोंपर उतरकर शासनसे मांग करके उन्हें कार्यवाही करनेपर विवश करनेका समय है; अन्यथा यह ऐसे ही चलता रहेगा ।**

**********

**पूर्व 'BARC' 'सीईओ'के परिवारने 'रिपब्लिक टीवी' 'टीआरपी स्कैम'के सन्दर्भमें मुम्बई पुलिसपर लगाए गम्भीर आरोप**

मुंशम्बई पुलिस और 'सिटी क्राइम ब्रांच'ने 'BARC' 'सीईओ' रोमिल रामगढियाको बन्दी बनानेके कुछ दिनों पश्चात, उन्होंने 'ब्रॉडकास्ट ऑडियंस रिसर्च काउंसिल'के पूर्व 'सीईओ' पार्थो दासगुप्तको २५ दिसम्बर २०२० को बन्दी बनाया था । उन्होंने आरोप लगाया कि पार्थो दासगुप्तने 'रिपब्लिक टीवी'के पक्षमें 'टीआरपी' बढानेके लिए अर्नब गोस्वामीसे पैसे लिए थे । उन्हें एक घडी, कुछ चांदीके आभूषण मिले हैं ।

अब १६ जनवरीको पार्थोकी पुत्री प्रत्यूषाने एक पत्रके माध्यमसे प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदीसे अपने पिताके जीवनको बचानेकी प्रार्थना की है । प्रत्यूषाका कहना है कि उनके पिता शुक्रवार, १५ जनवरीसे ही अचेतावस्थामें एक चिकित्सालयमें प्रविष्ट हैं । दोपहर १ बजे उन्हें चिकित्सालय लेकर जाया गया और अगले दिन ३ बजे दोपहरको परिजनको इसकी सूचना दी गई, अर्थात १५ घण्टोंतक इस बातको छुपाकर रखा गया ।

जब वो चिकित्सालय पहुंचीं, तो उनके पिता 'इमरजेंसी रूम'में पडे हुए थे और उन्हें ओढानेके लिए एक कम्बलतक

नहीं था। उनके पिता कुछ कहना चाहते थे और बातें करना चाहते थे; परन्तु वो कुछ बोल नहीं पा रहे थे। उनका मधुमेह भी उच्च स्तरपर (५१६) पहुंच गया था। मैं अब उनके जीवनको लेकर चिन्तित हूं।

प्रत्यूषाने बताया कि पिछले १ सप्ताहसे वह बार-बार तलोजा कारावास अधिकारियोंको 'ईमेल' कर रही थी कि पार्थो दासगुप्तके साथ 'वीडियो कॉल'करनेकी अनुमति दी जाए। यद्यपि, उनके प्रयत्नोंके पश्चात भी कोई उत्तर नहीं मिला।

वहीं, पार्थोकी पत्नीने आरोप लगाते हुए कहा कि जब वह दासगुप्तसे चिकित्सालयमें मिलीं, तो उन्होंने उन्हें बताया कि उन्हें कारावासमें शारीरिक और मानसिक रूपसे प्रताडित किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, उन्होंने कहा कि पार्थोने अपने दबे स्वरमें कहा कि मुम्बई पुलिस अर्नब गोस्वामी और 'रिपब्लिक टीवी'को फंसानेके लिए उन्हें मानसिक और शारीरिक रूपसे प्रताडित करनेके लिए तलोजा कारावासके भीतर किसीको भुगतान कर रही है।

समरजनीने कहा कि पार्थोने व्यक्तिको यातना देनेके लिए भुगतान किए जानेके विषयमें कहा, "यह तबतक समाप्त नहीं होगा, जबतक आप अर्नब गोस्वामीका नाम नहीं लेंगे।" यह पूछे जानेपर कि क्या यह व्यक्ति एक कोई बन्दी था या अधिकारी था, समरजनीने कहा, "पार्थो गम्भीर स्थितिमें थे और वह मुझे केवल इतना ही बता पाए।"

जब उन्हें उनके कक्षसे बाहर निकाला जा रहा था, तो समरजनी कहती हैं कि पार्थोने पुकारा, "मुझे छोडकर मत जाओ। यदि वे मुझे तलोजा कारावास ले जाते हैं, तो वे मुझे

मार डालेंगे। वे कहेंगे कि सब कुछ ठीक है और मुझे ले जाएंगे और मार डालेंगे।"

**यह है आजकी भ्रष्ट व्यवस्था और न्याय तन्त्रका कटु सत्य। ऐसी सडी हुई व्यवस्था किसी कार्यकी नहीं है, इसे नष्ट होना ही उचित है। उद्धव ठाकरे अपने अधोपतनको अब निकट ही समझे; अपने अहंकारमें वे अब लोगोंको मारनेपर उतर गए हैं।**

**********

## वैदिक उपासना पीठद्वारा कुछ आवश्यक सूचनाएं

**१.** वैदिक उपासना पीठद्वारा विजयादशमीसे अर्थात दि. २५/१०/२०२० से ऑनलाइन बालसंस्कारवर्गका शुभारंभ हो चुका है। यह वर्ग प्रत्येक रविवार, त्योहारोंको एवं पाठशालाके अवकाशके दिन प्रातः १० से १०:४५ तक होगा। इस वर्गमें ७ वर्षसे १५ वर्षकी आयुतकके बच्चे सहभागी हो सकते हैं। यदि आप अपने बच्चोंको इसमें सम्मिलित करने हेतु इच्छुक हैं तो पञ्जीकरण हेतु कृपया 9717492523, 9999670915 के व्हाट्सऐप्पपर सन्देशद्वारा सम्पर्क करें।

**२.** वैदिक उपासना पीठके लेखनको नियमित पढनेवाले पाठकोंके लिए निःशुल्क ऑनलाइन सत्सङ्ग आरम्भ किया जा चुका है।

**आनेवाले सत्संगका विषय व समय निम्नलिखित है :**

सङ्ख्या सीमित होनेके कारणकृपया अपना पञ्जीकरण यथाशीघ्र कराएं। इस हेतु ९९९९६७०९१५ (9999670915) या ९७१७४९२५२३ (9717492523) के व्हाट्सएप्पपर अपना सन्देश भेजें। कृपया पञ्जीकरण हेतु

फोन न करें।

**अगले कुछ सत्सङ्गोंकी पूर्व सूचना :**

**अ.**साधकके गुण, १९ जनवरी, रात्रि ९.३० बजे

**आ.**नामजप कब, कहां और कितना करें ? २३ जनवरी, रात्रि ९.३० बजे

**इ.**क्या टैटू करवाना चाहिए ? २७ जनवरी, रात्रि ७.३० बजे

**३.** वैदिक उपासना पीठद्वारा प्रत्येक दिवस भारतीय समय अनुसार रात्रि नौसे साढे नौ बजे 'ऑनलाइन सामूहिक नामजप'का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें साधना हेतु मार्गदर्शन भी दिया जाएगा, साथ ही आपको प्रत्येक सप्ताह 'ऑनलाइन सत्सङ्ग'के माध्यमसे वैयक्तिक स्तरपर भी साधनाके उत्तरोतर चरणमें जाने हेतु मार्गदर्शन दिया जाएगा, यदि आप इसका लाभ उठाना चाहते हैं तो आप हमें ९९९९६७०९१५ (9999670915) या ९७१७४९२५२३ (9717492523) पर "मुझे सामूहिक नामजप गुटमें जोडें", यह व्हाट्सऐप्प सन्देश भेजें !

**४.** जो भी व्यक्ति वैदिक उपासना पीठके तत्त्वावधानमें अग्निहोत्र सीखना चाहते हैं वे ९९९९६७०९१५ के व्हाट्सऐप्पपर अपना सन्देश इसप्रकार भेजें ,'हमें कृपया अग्निहोत्र गुटमें सम्मिलित करें।'

**५.** कोरोना जैसे संक्रामक रोग एवं भविष्यकी आपातकालकी तीव्रताको ध्यानमें रखते हुए वैदिक उपासना पीठद्वारा संक्षिप्त दैनिक हवन कैसे कर सकते हैं ?, इस विषयमें १५ अगस्तसे एक नूतन उपक्रम आरम्भ किया जा रहा है। इसमें अग्निहोत्र समान इसे सूर्योदय या सूर्यास्तके समय ही करनेकी मर्यादा

नहीं होगी, इसे आप एक समय या सप्ताहमें जितनी बार चाहे, कर सकते हैं । यदि आप सीखना चाहते हैं तो ९९९९६७०९१५ पर हमें इस प्रकार सन्देश भेजें, “हम दैनिक हवनकी सरल विधि सीखना चाहते हैं, कृपया हमें यथोचित गुटमें जोडें ।”


प्रकाशक : Vedic Upasana Peeth
जालस्थल : www.vedicupasanapeeth.org
ईमेल : upasanawsp@gmail.com
सम्पर्क : + 91 9717492523 / 9999670915